

संकाश वि. (तत्.) 1. सदृश, समान, मिलता-जुलता
2. निकट, पास, नजदीक पुं. 1. प्रकाश, रोशनी
2. चमक, दीप्ति।

संकीर्ण वि. (तत्.) 1. संकुचित 2. जो अधिक चौड़ा
या विस्तृत न हो 3. तंग, संकरा 4. किसी के
साथ मिला हुआ 5. अंतर्मिश्रित 6. अस्पष्ट 7.
छोटा 8. जिसमें व्यापकता न हो।

संकीर्णक पुं. (तत्.) वह साँप जो अपने शिकार को
दबोचकर मार देता है। constrictor

संकीर्णता स्त्री. (तत्.) 1. संकीर्ण होने की अवस्था
या भाव 2. नीचता 3. क्षुद्रता 4. ओछापन।

संकीर्तन पुं. (तत्.) 1. प्रशंसा 2. यशोगान 3.
ईश्वर, देवी-देवता के नाम का जाप या यश
गाना।

संकुचन पुं. (तत्.) 1. संकुचित करने या होने की
क्रिया या भाव 2. सिकुड़ना, सिमटना 3. एक
प्रकार का बाल रोग।

संकुचित वि. (तत्.) 1. सिकोड़ा हुआ 2. संक्षिप्त
किया हुआ 3. सिकुड़न वाला 4. झुरियाँ पड़ा
हुआ 5. ढका हुआ 6. बंद किया हुआ 7. आवरण
8. संकोच युक्त 9. हिचकिचाता हुआ 10. लज्जित
11. जो उदार विचारों वाला या उदार हृदय वाला
न हो, अनुदार।

संकुलता स्त्री. (तत्.) संकुल होने की अवस्था या
भाव।

संकुलित वि. (तत्.) 1. इकट्ठा किया हुआ 2. पूरा
किया हुआ 3. भरा हुआ 4. अस्त-व्यस्त किया
हुआ 5. संकुल किया हुआ।

संकृष्ट वि. (तत्.) 1. खींचकर नजदीक लाया हुआ
2. एक साथ किया हुआ।

संकेंद्रण पुं. (तत्.) 1. चारों ओर से इकट्ठा करके
एक केंद्र पर लाना या स्थिर करना 2. मन के
भाव या विचार किसी एक ही बात या विषय पर
केंद्रित करना।

संकेत पुं. (तत्.) 1. चिह्न 2. निशान 3. इशारा 4.
इंगित 5. अंगचेष्ट 6. सुझाव 7. निशानी 8.
प्रतीक 9. सहमति 10. सम्मिलन 11. नियुक्ति

12. निर्दिष्ट स्थान 13. प्रेमियों का मिलन-स्थल
14. समागम स्थान 15. प्रतिबंध 16. शर्त 17.
कोई ऐसी बात या क्रिया जो किसी विशेष और
बँधी हुई बात या कार्य की सूचक हो।

संकेतक पुं. (तत्.) 1. प्रेमी-प्रेमिका के मिलने का
स्थान, संकेत स्थल 2. वह प्रेमी या प्रेमिका जो
मिलने के लिए समय या स्थान का संकेत करे
3. सहमति 4. निर्देशन 5. निर्देशक 6. सूचक।

संकेतकी स्त्री. (तत्.) 1. आपसी व्यवहार में संक्षेप
और गोपन के लिए स्थिर की हुई वह वार्ता-
प्रणाली जिसमें साधारण शब्दों और पदों के लिए
छोटे-छोटे सांकेतिक शब्द बना लिए जाते हैं 2.
सांकेतिक भाषा 3. व्यापारिक और राजनीतिक
क्षेत्रों में प्रायः तार द्वारा समाचार और आदेश
भेजने के लिए इसका प्रयोग होता है।

संकेत ग्रह पुं. (तत्.) साहित्य में, शब्द की अभिधा
शक्ति से ग्रहण किया जाने वाला अथवा
निकलने वाला अर्थ।

संकेत चिह्न पुं. (तत्.) ऐसा चिह्न जिसमें प्रतीक
के माध्यम से कोई बात दिखाई गई हो।

संकेत-चिह्न पुं. (तत्.) वह चिह्न जो शब्द के
संक्षिप्त रूप के आगे लगाया जाता है, शब्द का
संक्षिप्त रूप जैसे- उत्तर प्रदेश का संकेत चिह्न
है- उ.प्र.।

संकेत लिपि स्त्री. (तत्.) पुलिस, व्यापारिक और
राजनीतिक क्षेत्रों में तार द्वारा कोई विशिष्ट
सूचना, समाचार या आदेश देने के लिए इस
लिपि का प्रयोग किया जाता है, इस लिपि के
प्रयोग का मुख्य उद्देश्य सूचनाओं को गुप्त
रखना होता है। code

संकेत-स्थल पुं. (तत्.) 1. प्रेमी-प्रेमिका के मिलने
का स्थान 2. वह स्थान जो औरों से छिपकर
कुछ लोगों ने किसी विशेष कार्य के लिए नियत
किया हो।

संकेताक्षर पुं. (तत्.) ऐसी लिपि-प्रणाली जिसमें
वर्णमाला के अक्षर अपने शुद्ध रूप में नहीं बल्कि
निश्चित संकेत रूप में लिखे जाते हैं।